जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

19 मार्च, 2021

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में "पोस्ट पैंडेमिक सोशल वर्क: रीजनल पर्सपेक्टिव्स" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जामिइ) के सामाजिक कार्य विभाग ने 17 मार्च, 2021 को सामाजिक कार्य माह के दौरान "पोस्ट पैंडेमिक सोशल वर्क: रीजनल पर्सपेक्टिव्स" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। इसमें दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के वक्ता थे जिन्होंने कोविड 19 महामारी के कारण सामाजिक एकजुटता और वैश्विक कनेक्टिविटी के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया और यह पहचान की कि सामाजिक कार्य पेशे को अधिक सक्रिय और उत्तरदायी बनाने के लिए क्या किया जाना चाहिए।

इस वेबिनार का समन्वयन और संचालन सामाजिक कार्य विभाग की प्रमुख प्रोफेसर अर्चना दस्सी द्वारा किया गया। उन्होंने मानव सेवा पेशेवरों की भूमिका पर जोर दिया और उनकी भूमिका पर फिर से गौर करने की आवश्यकता पर ध्यान केन्द्रित किया ताकि इस महामारी के दौरान पेशेवर अधिक उत्तरदायी हो सकें।

सत्र की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के जीसस एंड मैरी कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सैंड्रा जोसेफ ने की, जिन्होंने वर्तमान महामारी के दौरान सामाजिक एकजुटता की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रो. आदि फहरुद्दीन (समाज कल्याण विभाग, यूनिवर्सिट्स मुहम्मदिया जकार्ता, इंडोनेशिया) ने सामाजिक कार्यों के पुनर्गठन के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्किंग पर चर्चा की। प्रो. सुरिंदर जायसवाल (उप निदेशक, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान) ने जीवन के सभी पहलुओं में "समावेशिता" की वकालत की। सुश्री प्रदीपता कादंबरी (प्रिंसिपल, कादंबरी मेमोरियल कॉलेज, नेपाल) ने 'सेल्फ-एडवोकेसी' के महत्व के बारे में बात की। श्री अमरावंसा रनवीरा (अध्यक्ष, श्रीलंका एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स) ने सुनने में कठिनाइयां अनुभव करने वाले बच्चों के लिए सांकेतिक भाषा विकसित करने की आवश्यकता के बारे में चर्चा की।

प्रो. जुबैर मीनई (मानद निदेशक, प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास एवं अनुसन्धान केंद्र, जामिइ) ने 'सामुदायिक कार्य' के महत्व से अवगत कराया।

वेबिनार को समाज कार्य विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली के फेसबुक पेज पर लाइव स्ट्रीम किया गया। इस वेबिनार में देश भर के समाज कार्य शैक्षणिक संस्थानों, सिविल सोसाइटी आर्गेनाईजेशन, शोधकर्ताओं, विद्वानों और छात्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागी शामिल थे।

वेबिनार का समापन कुलपति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा वक्ताओं, गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। वेबिनार की एक बड़ी सफलता यह रही कि इस महामारी के दौरान इस तरह के एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा करने के लिए सभी ने व्यापक रूप से इसकी सराहना की।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया